ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-6* Issue-4* July- 2021
Anthology : The Research

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का स्वास्थ्य शिक्षा पर मानसिक प्रभाव

Mental Impact of Global Pandemic Corona Virus on Health Education

Paper Submission: 14/07/2021, Date of Acceptance: 23/07/2021, Date of Publication: 24/07/2021

मतुआ अहिरवार
असिस्टेंट प्रोफेसर एंव
विभागाध्यक्ष,
वनस्पति शास्त्र विभाग,
शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, रामपुरा जिला
नीमच, मध्य प्रदेश, भारत

सारांश

वैश्विक महामारी कोरोना संपूर्ण भारत में त्राहिमाम मचा हुआ है जिससे लोगों में भय व्याप्त हो चुका है साधारण सर्दी जुकाम बुखार और वायरल जैसे लक्षण होने पर लोगों में कोविड–19 की कबायत मस्तिष्क में विराजमान हो रही है जिससे मानव समाज में भय की गति बढ़ रही है। जैसे मानव समाज चक्रव्यूह में फंसता नजर आ रहा है, जिसके कारण लोगों में मानसिक बेचौनी ,तनाव, रात में नींद न आना, एक समस्या का कारण बनता जा रहा है। मानव जगत में कई ऐसी आपदाएं आई लेकिन भय व्याप्त नहीं हुआ। इस वैश्विक महामारी के कारण, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक, छोटे–बड़े उद्योग में गिरावट हो रही रही है। दैनिक मजदूरों की स्थिति बद से बदतर, एवं पढ़े–लिखे युवाओं की स्थिति भी बेहाल हो रही है क्योंकि, छोटे बड़े उद्योगों द्वारा पढ़े–लिखे युवा, दैनिक रोजगार से अपना भरण–पोषण करते थे ,लेकिन आज छोटे बड़े सारे उद्योग, बंद पड़े हैं, जिससे इस मानव समाज में मानसिक स्थिति बेकाबू होती जा रही है, लोग, आज फिर घरों में कैद है।

The global pandemic corona has caused panic in the whole of India, due to which fear has spread among people, due to symptoms like common cold, cold, fever and viral, the outbreak of covid 1Kovid-19 is sitting in the mind, due to which the speed of fear in human society is increasing. Is . As human society seems to be trapped in the maze, due to which mental restlessness, stress, sleeplessness at night, is becoming a problem among the people. Many such disasters occurred in the human world but fear did not prevail. Due to this global epidemic, there is a decline in education, health, economic, social, small and big industries. The condition of daily laborers is getting worse, and the condition of educated youth is also getting worse because, educated youth by small and big industries, used to maintain themselves with daily employment, but today all small and big industries, are closed. Due to which the mental condition is becoming uncontrollable in this human society, people are again imprisoned in their homes.[1]

मुख्य शब्द : वैश्विक महामारी, कोरोनावायरस , शिक्षा ,स्वास्थ्य, मानसिक तनाव, रोजगार की आपूर्ति, दैनिक मजदूर, लघु एवं कुटीर उद्योग आदि।
Global Pandemic, Coronavirus, Education, Health, Mental Stress, Supply Of Employment, Daily Laborers, Small And Cottage Industries Etc.

प्रस्तावना

आज देश एवं राज्यों में दिन प्रतिदिन में लाखों हजारों की संख्या में कोरोना वायरस के मरीज आंकड़ों के मुताबिक देखे जा रहे हैं जिसमें कोरोना वायरस कम होने का नाम नहीं ले रहा है और आए दिन कोरोना वायरस की रफ्तार बढ़ती जा रही हैं वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के आंकड़ों की जानकारी दिन प्रतिदिन साप्ताहिक एवं मासिक सरकारी आंकड़ों के अनुसार एकत्रित की गई है जिसमे देश और राज्य में कुल मरीजों की संख्या एवं रिकवरी मरीजों की संख्या तथा मृत मरीजों की संख्या के आंकड़े तालिका में संधारित किया है तालिका निम्न प्रकार है।

साहित्यवलोकन

हमारा भारत देश, गांव का देश माना जाता था, हमारा देश सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था, हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है जिसमें विभिन्न संस्कृति, विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग निवासरत हैं। वैश्विक महामारी कोरोना से जूझने के लिए एक बड़ी चुनौती सामने है।

देश	कुल	पॉजिटिव	ठीक	+/_	मौत	+/__
भारत	17625735	319315	14545342	248639	197880	2762
महाराष्ट्र	4343 727	487 20 0	360 1796	71 736	65 2784	524
केरल	14 275 46	21 890	1189 267	7943	5139	28
कर्नाटक	1368945	29 744	1073 257	10 663	14 627	201
आंध्र प्रदेश	1043 441	9881	940574	4431	7736	51
तमिल नाडु	1097 672	15684	97 68 76	13 625	13 651	94
दिल्ली	1047 916	20 201	940 930	22055	14 628	380
उत्तर प्रदेश	1120 176	33 551	80 4563	26 719	11414	249
पश्चिम बंगाल	7599 42	15992	65 3984	9775	11009	68
उड़ीसा	4140 56	6599	3671 11	4180	2050	09
राजस्थान	530 875	16 438	380 550	64 16	36 85	84
छत्तीसगढ़	66 7446	15084	5385 58	17 341	7536	226
तेलंगाना	4017 83	6551	45 4108	3804	20 42	43
हरियाणा	4358 23	11504	3525 15	62 11	3842	75
गुजरात	510 373	14340	38 2426	7727	6486	158
बिहार	4153 97	11801	32 3514	9228	2222	67
मध्य प्रदेश	511 990	12686	41 42 35	11612	5221	88
असम	240 670	3137	220 344	828	1215	15
पंजाब	64536 6	6276	2869 42	4338	8530	98
जम्मू कश्मीर	16 2890	2135	140117	1067	2172	25
झारखंड	2072 88	5541	1556 69	4018	2115	
उत्तराखंड	156859	50 58	1122 65	1601	22 13	
हिमाचल प्रदेश	89 193	1692	73 478	921	1350	27
गोवा	7979 8	23 21	63 483	712	1055	27
पुदुचेरी	540 26	747	45 758	515	758	10
त्रिपुरा	34624	98	33 413	62	391	0
मणिपुर	30567	146	23 267	36	390	05
चंडीगढ़	39 513	821	33 498	477	440	0 5
अरुणाचल प्रदेश	17 775	168	16 993	25	58	05
मेघालय	16 124	130	14560	114	161	00
नागालैंड	13238	55	12135	3	98	00
लद्दाख	13357	0	11 192	0	138	0
सिक्कम	73 29	23	6093	20	140	02
अंडमान निकोबार	5716	51	5520	53	66	0

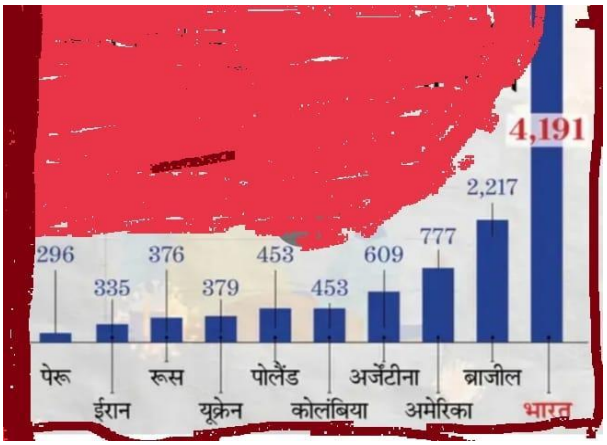

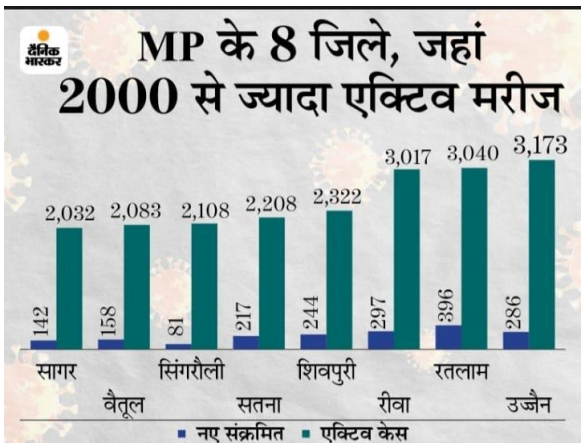

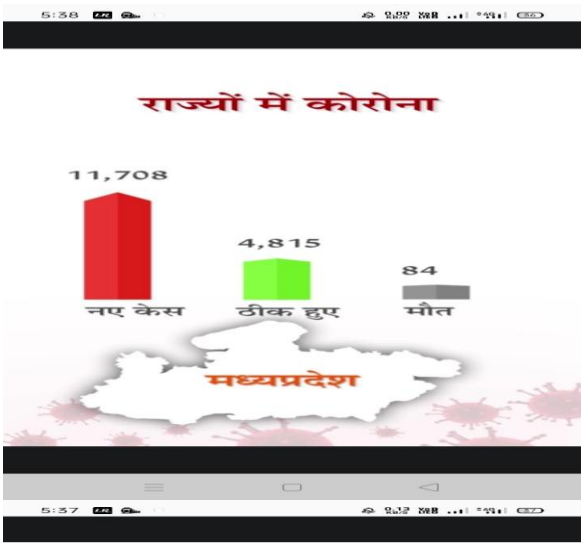

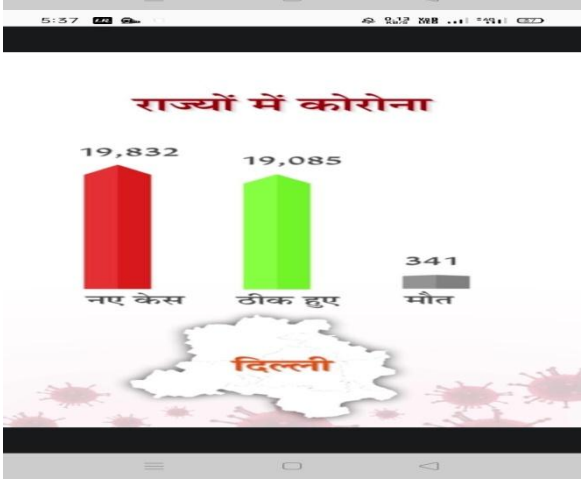

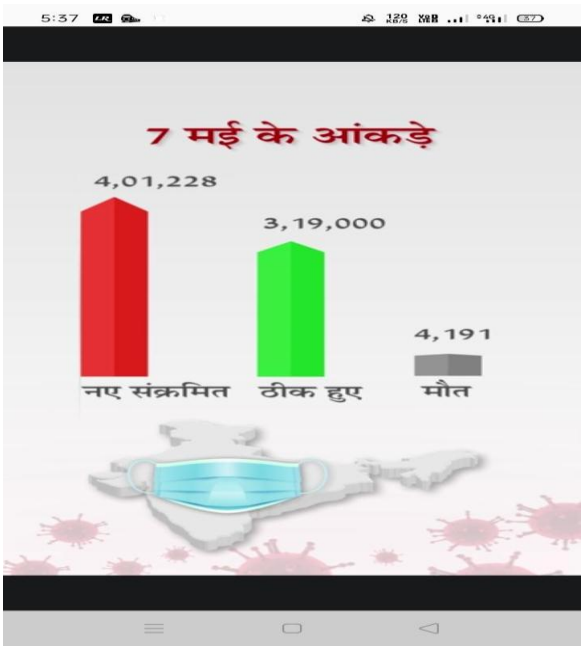

कोविड–19 का मानसिक स्वास्थ्य को लेकर वैश्विक चिंता

विश्व भर में इस बात का जिक्र चल रहा है की वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से कैसे निपटा जाए। दुनिया के शोधकर्ताओं द्वारा महामारी के दौरान मानव की दिनचर्या पर कुठाराघात पहुंच रहा है और मानसिक स्थिति में तनाव प्रबल हो रहा है। लैसेंट साइकियाट्री जनरल में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक रिपोर्ट छपी है यूनिवर्सिटी के सायकेट्री डिपार्टमेंट के हेड प्रोफेसर इड बुलमोर एवं उनकी टीम ने इंग्लैंड में कोविड–19 के संक्रमण के बीच आयोजन सर्वे के आधार पर रिपोर्ट तैयार की बलमोर के अनुसार,, भविष्य में कोरोना महामारी का स्वास्थ्य पर बड़ा विपरीत प्रभाव पड़ सकता है,, भारत में वैश्विक महामारी के दूसरे चरण में मानव मनोकल्प हो गया है न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में एक रिसर्च पेपर प्रकाशित हुआ जिसमें यूनिवर्सिटी ऑफ ओकलाहोमा

के साइकियाट्री प्रोफेसर बेट्टी पेफरबाम ने अपने रिसर्च पेपर में कुछ ऐसे कारणों की पहचान की है जो लोगों में तनाव और निराशा बढ़ाने का काम करते हैं उन्होंने बताया कि महामारी की अनिश्चितता परीक्षण और उपचार संसाधनों की भारी कमी लोगों में चिंता पैदा कर सकती है। आम जनता में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की सुरक्षा से समझौता करना भी तनाव का कारण बन सकता है भारत देश में क्वॉरेंटाइन और सामाजिक दूरी जैसे शब्द मानव समाज में हताशा का वातावरण जन्म ले रहा है जिससे व्यक्ति की स्वतंत्रता बाधित मानी जा रही है अपने और अपनों के बीच कोविड–19 भावनात्मक एवं मनोविकार पनत रहा है जो विश की खारी के समान हैं वेदांत साहित्य के अनुसार माना जाता है कि विष में अमृत मिलाने से सारा अमृत विष बन जाता है वैसे ही वैश्विक महामारी के कारण लोगों में भय ,चिंता, सता रही है मानसिक तनाव के कारण कई लोगों ने अपने जिम्मेदार सदस्य खोए हैं और अपना परिवार खोया है आए दिन कोरोना वायरस के कार स्थिति बिगड़ती जा रही है।

कोविड–19 का ग्रामीण अंचल में प्रभाव

वैश्विक महामारी कोरोना का असर इसकी अपेक्षा वर्तमान वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में कोहराम मचा हुआ है गांव की स्थिति बद से बदतर हो रही है ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि गांव के प्रत्येक घर परिवारों में कोविड–19 की मार से लड़ रहा है लड़ रहा है। ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव के कारण कोरोना काल के मुंह में समा गए हैं। गांव की हस्ती खेलती जिंदगी हमेशा के लिए मुस्कुराना सदा सदा के लिए समाप्त हो गया है। वैश्विक महामारी ने प्रकृति की गोद में निवास करने वाले गांव को गांव को नहीं बख्शा और ग्रामीण क्षेत्रों में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है ग्रामीण क्षेत्रों में जन्मे ऐसे महान बुद्धिजीवी मानस जिन्होंने अपनी मेहनत और संघर्ष के बल से अपनी जिंदगी को सजाया था , समाज सेवा , दया , करुणा, सेवा भाव और नए परिवेश को रचा, जिन्हें आज कोरोना वायरस काल ने गांव की धरोहर को डस लिया है।

वैश्विक महामारी कोविड 19 का अभिव्यक्ति एवं स्वतंत्रता पर प्रभाव

वैश्विक महामारी नहीं आज लोगों की स्वतंत्रता छीन ली है साधारण जुकाम होने पर उसे परिवार और समाज से अलग रखा जाता है माता–पिता बच्चे बहू बेटी भाई बहन एवं परिवार के सदस्यों की मानसिक संतुलन पर आघात पहुंच रहा है जहां हमारे भारत देश में एकता,बंधुत्व, भाईचारा बनाए रखने का संदेश हर गली मोहल्ला गांव शहर एवं देश को संबोधित किया जाता था, लेकिन आज वैश्विक महामारी के कारण सामाजिक दूरी बनाए रखें को संबोधित किया जाता है। आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों की स्वतंत्रता एवं अभिव्यक्ति एक घर में सिमट कर रह गई है और लोगों की आजादी घरों में कैद रह गई है।

कोविड–19 का शिक्षा पर प्रभाव

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार कोरोनावायरस के आर्थिक परिणामों से अगले वर्ष 24 मिलीयन बच्चे,घर न लोट पाने का खतरा उत्पन्न हो गया वैश्विक महामारी का सबसे अधिक प्रभाव लड़की में महिलाओं में देखने को मिला है स्कूल कॉलेज बंद होने से बाल विवाह एवं लिंग आधारित हिंसा के प्रति अधिक संवेदनशील जाएगी साथ ही साथ बच्चों में होने वाले अपराधों में बढ़ोतरी हो सकती है।1. वर्ष 2020 के प्रारंभ में ऐसा अनुमान व्यक्त किया जाता है कि अधिकांश निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में शिक्षा बजट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सतत विकास लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक राशि के बीच लगभग 148 बिलियन डॉलर का अंतर है। 2. रहता शिक्षा की आवश्यकता की अपेक्षा के साथ आज कोविड–19 महामारी ने पटरी पर खड़ा कर दिया है जिसने प्राथमिक माध्यमिक शालाओं के बच्चों में चिड़चिड़ापन मानसिक विकृति देखने को मिल रही है जैसे समय से ना जागना समय पर खाना ना खाना और पढ़ाई ना करना जैसी समस्याएं जन्म ले रही हैं इसी प्रकार के बच्चों में बहुत सारी समस्याएं देखने को मिल रही हैं 3. शासन की ऑनलाइन शिक्षा पद्धति से बच्चों में बेहतर कौशल का अधिगम की उम्मीद नहीं की जा सकती है क्योंकि कक्षा पहली दूसरी का विद्यार्थी ऑनलाइन शिक्षा का क्या महत्व समझ सकता है ऐसे अधिगम कर सकता है ऐसे अवैध विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है हमारे राष्ट्र की धरोहर मानी जाती है 4. शिक्षा जगत में कार्य करने वाले ऐसे महान बुद्धिजीवी, शिक्षकों, डॉक्टर, प्राध्यापकों एवं इंजीनियर, वैज्ञानिक, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक जिम्मेदार नागरिकों को इस समाज ने खो दिया है और वह ऐसे महान शख्स कोरोना काल के मुंह में समा गए हैं।

कोविड–19 का मजदूर एवं रोजगार पर प्रभाव

देश में बढ़ती जनसंख्या के कारण, देश में रोजगार की एक बड़ी समस्या एवं चुनौती है वैश्विक महामारी के कारण लोगों के रोजमर्रा के रोजगार छिन गए हैं जिन्हें परिवार का भरण पोषण करना वा मुश्किल हो गया । पढ़े–लिखे युवा प्राइवेट कंपनियों फैक्ट्रियों एवं होटल तथा कई प्राइवेट एजेंसियों मैं रोजमर्रा के जीवन चलाने के लिए दैनिक मजदूरी करते थे लेकिन महामारी के चलते सारे रोजगार के दरवाजे बंद हो गए जिससे परिवार का भरण पोषण करना एक चुनौती है इसी तारतम्य घरों में काम करने वाले वर्कर एवं दैनिक मजदूरी करने वाले मजदूर फुटपाथ दुकानदार आदि बेरोजगार हो गए हैं गरीबी लाचारी के कारण परिवार को दो वक्त की रोटी के लिए मोहताज हो रहे हैं। कोविड–19 का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव ऋऋऋऋऋऋऋऋ वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण संपूर्ण विश्व को आर्थिक मंदी की मार झेलने पडी वैश्विक वित्तीय संकट से भी अधिक गंभीर है लॉकडाउन तथा एक दूसरे से आवश्यक दूरी बनाए रखने के कारण अर्थव्यवस्था को गंभीर नदी का सामना करना पड़ा है आकलन के अनुसार वैश्विक आर्थिक उत्पादन 2020 में 3.5: की कमी दर्ज की जाएगी।(आईएमएफ जनवरी 2021 अनुमान) सरकारी आयात एवं निर्यात विकास दर कम हो रही है कोविड–19 के कार्ड भारतीय अर्थव्यवस्था हुए नुकसान को कम करने

में किसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा जिसकी विकास दर वित्तीय वर्ष 2021 के लिए 3.4: आंकी गई है।

निष्कर्ष

वैश्विक महामारी कोरोना के कारण गांव से लेकर शहरों तक ऊह हाय मचा हुआ है जिसमें दिन प्रतिदिन हजारों की तादाद में कोविड–19 के कारण लोग दम तोड़ रहे है। भारत सरकार के द्वारा महामारी को नियंत्रित करने के लिए कई तरह के अभियान चलाए जा रहे हैं जिससे लोगों में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। कोविड 19 से भयमुक्त करने के लिए कई सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों के द्वारा रोको टोको, डोर टू डोर, में भी कोरोना ,मेरा गांव मेरी सुरक्षा, मेरी सुरक्षा,मेरा मास्क, जैसे अभियान चलाए जा रहे है। देश की जनता को जन जागृति का संदेश भेजा जा रहा है ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *htt://www-downtoearth-org-in*
2. *कोरोना वायरस का प्राणी जगत पर प्रभाव पहले पहल प्रकाशन प्रथम संस्कार 2020 (सामाजिक सांस्कृतिक धार्मिक आर्थिक शैक्षणिक स्थिति के संदर्भ में)*
3. *drisrlthiias-com*
4. *pib-gov-in 29 tuojh 2021 Bypib Dehli*
5. *कोरोना वायरस का प्राणी जगत पर प्रभाव प्रथम संस्कार 2020 पहले पहल प्रकाशन प्रेस कंपलेक्स एमपी नगर भोपाल मध्य प्रदेश। पेज 69*
6. *htt]://www-aajtak-in*
7. *https://dainik&b-in 8-https://dainik&b-in 9-5-2021*